PRESS CLIPINGS

Physiotherapy day celebrated at Amity

To mark the mammoth contribution of Physiotherapy in treating patients all over the world, September 8 is observed as World Physiotherapy Day. Amity Institute of Physiotherapy celebrated the same at Amity Campus at Noida by organising a seminar in which distinguished physiotherapists presented their views on the vital areas of physiotherapy. Welcoming the distinguished gathering, Nitish Bansal, director, Amity Institute of Physiotherapy, expressed his gratitude to the distinguished speakers for making it to the seminar. Throwing light on the "Scope of Practice in Physiotherapy", Alakananda Banerjee, Head, Physiotherapy Department, Max Hospital, Saket, called upon budding physiotherapists to keep their mind open to the various options available. A physiotherapist can work on obesity or cardiovascular ailments and not just on orthopaedic problems, as traditionally considered. She advised students that they can build up their physiotherapy profession wherever they are, even in the remotest corner of the country,

THE PIONEER, September 10, 2009 Pg 2

'फिजियोथेरेपी से इलाज ज्यादा कारगर'

नोएडा(एसएनबी)। आधुनिक दवा और आपरेशन एक बार दर्द से निजात तो दिला देती है, लेकिन उनके दुष्प्रभावों को जिंदगी भर ढोना पड़ता है। एक बीमारी से मुक्ति पाने के चक्कर में अधिकतर मरीज दूसरी बीमारी के चपेट में आ जाते हैं। फिजियोथेरेपी के जरिए इलाज कराने पर व्यक्ति को पूर्ण संतुष्टि मिलती है और यह काफी कारगर भी साबित होता है।

यह जानकारी साकेत के मैक्स अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्ष डॉ. अलखनंदा बनर्जी ने दी। वह सेक्टर-44 स्थित एमिटी कैंपस में विश्व फिजियोथिरेपी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर एमिटी फिजियोथेरेपी कॉलेज के निदेशक डॉ. नीतिश बंसल ने कहा कि आधुनिक युग में इंसान के रहन सहन, खान-पान व दिनचर्या में व्यापक परिवर्तन होता जा रहा है और व्यक्ति शारीरिक श्रम से दूर हो रहा है। इस कारण विभिन्न रोगों से उसका शरीर ग्रसित हो रहा है। इनसे बचाव के लिए फिजियोथेरेपी चिकित्सा पद्धति एक कारगर उपाय है। इस अवसर पर सैकड़ों छात्र उपस्थित थे।

RASTRIYA SHAHARA, September 9, 2009 Pg 7

फिजियोथेरेपी दिवस मना

नई दिल्ली, 8 सितंबर (जनसत्ता)। एमिटी संस्थान ने मंगलवार को विश्व फीजियोथेरेपी दिवस मनाया। इस मौके पर मैक्स अस्पताल के फीजियोथेरेपी विभाग के अध्यक्ष डा. अलखनंदा बनर्जी, एमिटी फीजियोथेरेपी कालेज के प्रमुख डा. नीतीश बंसल ने भी छात्रों को संबोधित किया। इस मौके पर विशेषज्ञों ने छात्रों से भौतिकवादी जीवन जीने से आगाह किया और कहा कि रहन-सहन से जीवन तेजी से प्रभावित हो रहा है।

JAN SATTA, September 9, 2009 Pg 4

एक नजर

एमिटी स्कूल में आयोजित सेमिनार में भाग लेते वक्ता।

सेमिनार का आयोजन

नोएडा। चिकित्सा के क्षेत्र में फिजियोथेरिपी ने न केवल लोगों को रोगों से छुटकारा दिलाया है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र को भी नई दिशा दी है। एमिटी इंस्टीट्यूट में आज विश्व फिजियोथेरिपी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित कई डाक्टरों ने फिजियोथेरिपी पर व्याख्या की। साकेत के फिजियोथेरिपी डिपार्टमेंट की हेड डा. अलकानंदा बैनजी ने स्कोप ऑफ प्रैक्टिस इन फिजियोथेरिपी पर व्याख्यान दिया।

HINDI HINDUSTAN
September 9, 2009 Pg 7

नोएडा के सैक्टर-44 स्थित एक निजी स्कूल में विश्व फिजीयोथैरेपी दिवस के अवसर पर आयोजित सेमीनार में भाग लेते लोग

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस पर एमिटी में कार्यक्रम

नोएडा, (ब्यूरो): नोएडा के सैक्टर-44 स्थित एमिटी इंस्टीट्यूट आफ फिजियोथैरेपी द्वारा विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया।

पेंटिंग देखने पहुंचे लोग: नोएडा की सुरुचि आर्ट गैलरी में कलकत्ता के शांति निकेतन संस्थान के नए कलाकारों की पेंटिंग प्रदर्शित की जा रही है इस प्रदर्शनी में पेंटिंग प्रस्तुत की गई है। रंगों और विभिन्न आकृतियों से मन मोहने वाली इन कलाकृतियों को देखने के लिए लोग भारी तादाद में पहुंच रहे हैं।

PUNJAB KESARI, September 9, 2009 Pg 4

शुभारंभ : नोएडा सेक्टर 44 स्थित एमिटी कैंपस में मंगलवार को सेमिनार के उद्घाटन पर मां सरस्वती की वंदना करतीं छात्राएं।

स्वस्थ रहने में मददगार है फिजियोथैरेपी

सेमिनार

एमिटी यूनिवर्सिटी ने मनाया फिजियोथैरेपी दिवस

जटिल ऑपरेशन से बचने में भी यह पद्धति कारगर

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में मंगलवार को विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया। इस मौके पर सेक्टर-44 स्थित कैंपस में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संस्थाओं और अस्पतालों के फिजियोथैरेपी विभाग के डॉक्टरों ने भाग लिया। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि स्वस्थ रहने में फिजियोथैरेपी अहम भूमिका निभा सकती है। जटिल ऑपरेशन से बचने में भी मेडिकल साइंस की यह पद्धति बेहद मददगार है।

मैक्स अस्पताल, साकेत की डॉ. अलखनंदा बनर्जी ने कहा कि बीमारियों के निदान में लोगों ने दवाइयों और जटिल ऑपरेशन की बजाए योग, मेडिटेशन और फिजियोथैरेपी का सहारा लेना शुरू कर दिया है। आधुनिक दवाइयों से दर्द से मुक्ति मिल जाती है, लेकिन उनके दुष्प्रभावों को जिंदगी भर ढोना पड़ सकता है। एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथैरेपी के निदेशक डॉ. नितीश बंसल ने कहा कि शारीरिक व्यायाम से दूर हो चुकी आधुनिक दिनचर्या में फिजियोथैरेपी पद्धति के जरिए हृदय रोग के साथ कई अन्य बीमारियों की रोकथाम संभव है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेमिनार का उद्देश्य छात्रों को प्रतिस्पर्धी युग में आगे लाने, इस क्षेत्र की नई तकनीकों और संबंधित शोध कार्यों से परिचित करना है। इस मौके पर अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथैरेपी के डॉ. हेमंत जुनेजा और प्रो. उमाशंकर मोहंती ने भी अपने विचार रखे।

AMAR UJJALA, September 9, 2009 Pg 6

आराम चाहिए तो मिलाओ फिजियोथेरेपी से हाथ

नईदुनिया संवाददाता

नोएडा। चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही फिजियोथैरेपी पर सेक्टर 125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवि ने मंगलवार को फिजियोथैरेपी दिवस मनाया। जिसमें चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे व्यापक परिवर्तनों पर चर्चा की गई। साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में फिजियोथैरेपी की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। मौके पर मैक्स अस्पताल के फिजियोथैरेपी विभाग की प्रमुख डाक्टर अलखनंदा बनर्जी, सीईसी सदस्य प्रोफेसर उमाशंकर मोहंती, एमिटी के फिजियोथैरेपी के निदेशक नितीश बंसल मौजूद थे।

प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित डाक्टर अलखनंदा ने फिजियोथैरेपी के स्कोप पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि बीमारियों के निदान में लोगों को दवाइयों व जटिल ऑपरेशन के बजाए योग, मेडिटेशन व फिजियोथैरेपी का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। अलखनंदा ने बताया कि आधुनिक दवाइयां व ऑपरेशन एक बार तो मर्ज को ठीक कर देती हैं दर्द से निजात भी दिला देती हैं लेकिन उनके दुष्प्रभावों को जिदंगी भर ढोना पड़ता है। जो बाद में दुखदायी होते हैं। कई बार बीमारी से मुक्ति पाने के चक्कर में अन्य बीमारियां घेर लेती हैं। लेकिन फिजियोथैरेपी ऐसी चिकित्सीय प्रणाली है कि एक बार इलाज कराने पर रोग से मुक्ति मिल जाती है और पूर्ण रूप से संतुष्टि मिलती है। वहीं दिल्ली से आए उमाशंकर जोशी ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में लोगों का रहन-सहन व खान-पान में व्यापक परिवर्तन आ गया है। शारीरिक श्रम कम हो गया है। जिससे कई बीमारियां घेर लेती हैं। लोग बीमारियों से निजात पाने के लिए दवाईयों पर निर्भर हो जाते हैं और परेशान रहते हैं। लेकिन फिजियोथैरेपी ऐसी चिकित्सीय प्रणाली है जो रोगों से वाकई निजात दिलाती है। सेमिनार में छात्रों के साथ टीचर्स व अतिथिगण मौजूद थे।

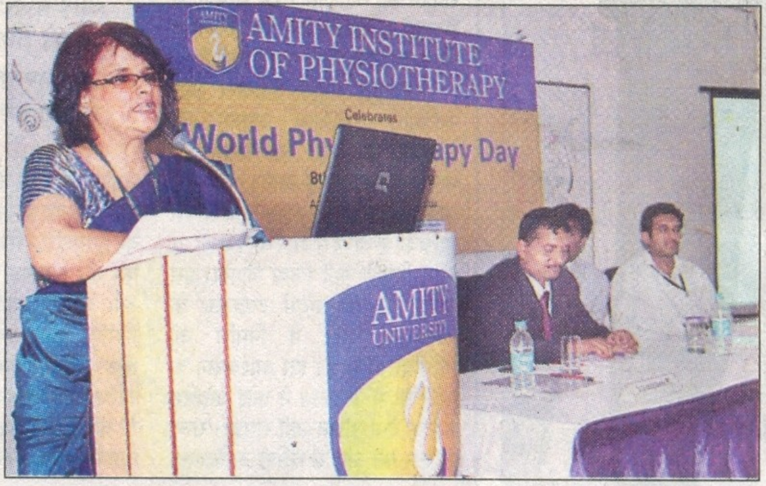

सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में विचार रखते विशेषज्ञ।

NAI DUNIYA September 9, 2009 Pg 2

*****